✺ 5 मई 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ✺

✺ ज्ञान-

1] देह के लगाव को छोड़ एक बाप को याद करो तो पावन बन जायेंगे।

2] बाप। जो सदैव आत्म-अभिमानी है। वह कभी देह-अभिमानी बनते नहीं। भल एक बार आते हैं तो भी देह-अभिमानी नहीं बनते क्योंकि याह शरीर तो पराया लोन पर लिया हुआ है। इस शरीर से उनका लगाव नहीं रहता।

3] भक्ति को कहा जाता है ब्राह्मणों की रात और सतयुग-त्रेता है ब्राह्मणों का दिन। अब ब्रह्मा प्रजापिता है तो जरूर बच्चे भी होंगे ना। यह भी समझाया है ब्राह्मणों का कुल होता है, डिनायस्टी नहीं। ब्राह्मण है चोटी। चोटी भी देखने में आती है।

4] ज्ञान एक सेकण्ड का है क्योंकि पढ़ाई तो तुम बहुत पढ़ते हो। वह सब मनुष्य, मनुष्य को पढ़ाते हैं। पढ़ती तो आत्मा ही है। परन्तु देह-अभिमान के कारण अपने को आत्मा भूलकर कह देते हैं हम फलाना मिनिस्टर हैं, यह हैं। वास्तव में हैं आत्मा। आत्मा मिस्टर-मिसेज़ के तन से पार्ट बजाती है, यह भूल जाते हैं। नहीं तो आत्मा ही शरीर से पार्ट बजाती है।

✺ योग-

1] सिवाए बाप के और कोई को याद नहीं करना है। जब बाप से बेहद का वर्सा मिलता है तो उनको याद करना है।

2] बाप समझाते हैं मैं ही आकर तुम बच्चों को पावन बनाता हूँ। तुम सतोप्रधान थे सो फिर तमोप्रधान बने हो। अब फिर पावन बनने के लिए तुमको अपने साथ योग सिखलाता हूँ। योग अक्षर न कह याद अक्षर कहना ठीक है। याद सिखलाता हूँ। बच्चे बाप को याद करते हैं। अभी तुमको भी बाप को याद करना है। आत्मा ही याद करती है।

✺ धारणा-

1] बाप कहते हैं काम महाशत्रु है। यह आदि, मध्य, अन्त दु:ख देने वाला है। नाम ही है रावण राज्य। बाप कहते हैं इन 5 विकारों पर जीत पाकर जगतजीत बनो। यह अन्तिम जन्म निर्विकारी बनो। तुम तमोप्रधान पतित बने हो, फिर सतोप्रधान पावन बनो।

2] सबसे क्षीरखण्ड होकर रहना है। इस अन्तिम जन्म में विकारों पर विजय प्राप्त कर जगतजीत बनना है।

✺ सेवा-

1] बाप समझाते हैं **सतोप्रधान बनना है इसलिए मामेकम् याद करो।** सब धर्म वाले इस समय तमोप्रधान है। तुम सभी को यह ज्ञान दे सकते हो। आत्माओं का बाप तो एक ही है। सब ब्रदर्स हैं क्योंकि हम आत्मायें एक बाप के बच्चे हैं। भल कहते भी हैं हिन्दू-मुसलमान भाई-भाई हैं परन्तु अर्थ नहीं जानते हैं। आत्मा कहती राइट है। सब ब्रदर्स का बाप एक है।